History

* मृत्यु Death - 1325 *

तुगलकाबाद से 8 किलो मीटर की दूरी पर स्थित अफगान पुर में एक महल जिसे उसके लड़के जूना खा के निर्देश पर अहमद अयाज ने लकड़ियों से निर्मित करवाया था, में सुल्तान दबकर 1325 में, उसकी मृत्यु हो गयी।

The Sultan died in 1325 after being buried in a wooden palace built by Ahmad Ayaz on the instructions of his son Juna Khan at Afganpur, 8 Kilometer from Tughlaqabad.

गयासुद्दीन तुगलक ने → धमकी → निजामुद्दीन औलिया को (सूफी सन्त)
↓
Reply :- हनूज दिल्ली दूरस्तों

★ मुहम्मद बिन तुगलक (1325-1351)
Muhammad bin Tughlaq

जौना खां
↑
जूना खां मुहम्मद बिन तुगलक के नाम से दिल्ली की गद्दी पर बैठा था। Juna Khan sat on the throne of Delhi under the name of Muhammad bin Tughlaq.

मूल नाम / Original name : उलुग खां (Oolong Khan)

:- राजा मुंदरी के एक अभिलेख में मुहम्मद बिन तुगलक को दुनिया का खान कहा है।
In a record of Raja Mundri, Muhammad bin Tughlaq has been called Khan of the world

⇒ इसे स्वपनशील, पागल व रक्त पिपासु कहा गया है।
It has been called dreamy, mad and bloodthirsty.
↓
सनकी योजनाओ के कारण

* प्रशासन (Administration) :-
उसने न्याय विभाग पर उलेमा वर्ग का एकाधिपत्य समाप्त किया
He ended the monopoly of the Ulema class on the Department of Justice.

Imp * सर्वप्रथम मुहम्मद तुगलक ने ही बिना भेदभाव के योग्यता के आधार पर अधिकारियों को नियुक्त करने की नीति अपनायी।
First of all, Muhammad Tughlaq adopted the policy of appointing officers on the basis of merit without discrimination.

Imp ⇒ दोआब क्षेत्र में कर वृद्धि (Tax hike in Doab region)
:- मुहम्मद तुगलक ने कृषि के विकास के लिए अमीर-ए-कोही नामक एक नवीन विभाग की स्थापना की
Muhammad Tughlaq established a new department called Amir-i-Kohi for the development of agriculture

→ असफल

* राजधानी परिवर्तन (Capital Change) :-
:- मुहम्मद बिन तुगलक ने अपनी दूसरी योजना के अन्तर्गत राजधानी को दिल्ली से देवगिरि स्थानान्तरित किया
Muhammad bin Tughlaq shifted the capital from Delhi to Devagiri under his second plan.

:- देवगिरि को कुव्वतुल इस्लाम भी कहा गया है।
Devagiri is also called Quwwatul Islam.

:- सुल्तान कुतुबुद्दीन मुबारक खिलजी ने देवगिरि का नाम कुतुबाबाद रखा था।
Sultan Qutbuddin Mubarak Khilji named Devgiri as Qutbabad.

⇒ मुहम्मद बिन तुगलक ने इसका नाम बदलकर दौलताबाद रख दिया। Muhammad bin Tughlaq changed its name to Daulatabad.

⇒ योजना भी पूर्णत: असफल रही और 1335 ई० में दौलताबाद से लोगों को दिल्ली वापस आने की अनुमति दे दी। The plan also failed completely and in 1335 AD people from Daulatabad were allowed to return to Delhi.

* सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन (Prevalence of token currency)

⇒ तीसरी योजना के अन्तर्गत मुहम्मद तुगलक ने सांकेतिक व प्रतीकात्मक सिक्कों का प्रचलन किया।
Under the third plan, Muhammad Tughlaq introduced symbolic and sign coins.

⇒ सिक्के संबंधी विधि प्रयोगों के कारण ही एडवर्ड टामस ने उसे धनवानों का राजकुमार कहा।
Edward Thomas called him the prince of the rich because of the method experiments related to coins.

Imp ⇒ अपने सिक्के चलाने की प्रेरणा - चीन के शासक कुबलई खाँ व ईरान के गजन खा से ली थी।
He took the inspiration of running coins from Kublai Khan, the ruler of China and Ghazan Khan of Iran.

⇒ उसने सांकेतिक मुद्रा के अन्तर्गत पीतल एवं तांबा धातुओं के सिक्के चलाये जिनका मूल्य चांदी के रुपये टका के बराबर था।
He introduced coins of brass and copper metal under symbolic currency, whose value was equal to taka of silver.

★ खुरासन अभियान ★
Khorasan Campaign

खुरासन को जीतने के लिए मुहम्मद तुगलक ने 370000 सैनिकों की विशाल सेना को एक वर्ष का अग्रिम वेतन दे दिया।

To conquer Khurasan, Muhammad Tughluq gave one year's advance salary to a huge army of 370000 soldiers.

★ कराचिल अभियान ★
Karachil Campaign

कराचिल अभियान के अन्तर्गत सुल्तान ने खुसरो मलिक के नेतृत्व में एक विशाल सेना की पहाड़ी राज्यों को जीतने के लिए भेजा।

Under the Karachil campaign, the Sultan sent a huge army under the leadership of Khusrav Malik to conquer the hill states.

:- उसकी पूरी सेना जंगल में भटक गयी। केवल तीन अधिकारी ही बच के आ सके। His entire army got lost in the forest. Only three officers could escape.

Note: अपनी महत्वकांक्षी असफल योजनाओं के कारण मुहम्मद तुगलक को असफलताओं का बादशाह कहा जाता है।

★ महत्वपूर्ण तथ्य Important facts ★

जैन विद्वान एवं संत जिनसूरी को दरबार में बुलाकर सम्मान दिया।

Honored Jain scholar and saint Jinsuri by calling him in the court.